PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Navbharat Times, Delhi
Wednesday, 4th May 2011, Page: 18
Width: 12.11 cms Height: 11.18 cms, Ref: pmin.2011-05-04.45.66

इलाज करना हुआ और भी महंगा

सुरेश उपाध्याय ॥ नई दिल्ली

डायबीटीज, मलेरिया, अस्थमा और एलर्जी समेत कई बीमारियों का इलाज अब और महंगा पड़ेगा। नैशनल फार्मास्यूटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी ने कई बल्क ड्रग्स समेत 149 फॉर्म्यूलेशंस के दामों में बढ़ोतरी को हरी झंडी दिखा दी है। इन ड्रग्स की मदद से दवाएं बनाने वाली कंपनियां महंगाई और अन्य कारणों का हवाला देते हुए एक अर्से से इनके रेट बढ़ाने की मांग कर रहीं थीं।

अथॉरिटी ने जिन दवाओं के रेट बढ़ाए जाने को मंजूरी दी है, उनमें मोनोकंपोनेंट इंसुलिन, क्लोरोक्विन, सालब्यूटामॉल, स्पाइरोनोलेक्टोन, फेनिरामाइन और बेपलिक्स एलिंजिर आदि प्रमुख हैं। मोनोकंपोनेंट इंसुलिन का प्रयोग टाइप-1 डायबिटीज के इलाज में किया जाता है। इसकी तीन मिलीलीटर की कार्टिज पहले 202.97 रुपये में मिला करती थी। इसके रेट अब 211.09 रुपये हो गए हैं। वहीं इसकी 10 एमएल मात्रा की कीमत 369.34 से बढ़कर 384.11 रुपये हो गई है।

मुश्किल बढ़ी...

- **नैशनल फार्मास्यूटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी ने 149 फॉर्म्यूलेशंस के दामों में बढ़ोतरी को मंजूरी दी**
- **इससे डायबीटीज, मलेरिया, अस्थमा और एलर्जी की दवाएं पहले से महंगी हो जाएंगी**
- **इनमें मोनोकंपोनेंट इंसुलिन, क्लोरोक्विन, सालब्यूटामॉल, बेपलिक्स एलिंजिर शामिल हैं**

क्लोरोक्विन के संयोग से कई दवाएं बनाई जाती हैं। इसका रेट बढ़ने पर मलेरिया का इलाज करना थोड़ा और महंगा हो जाएगा। इसके छह फॉर्म्यूलेशंस के रेट बढ़ गए हैं।

इसके इस्तेमाल से बनने वाली दवा क्लोरोक्विन फॉस्फेट की 250 मिलीग्राम की 10 गोलियों का अधिकतम खुदरा मूल्य 6.18 रुपये से बढ़कर अब 6.66 रुपये हो गया है। इसकी 500 एमजी की पांच गोलियां अब 5.96 रुपये की बजाय 6.42 रु. में मिलेंगी।

सालब्यूटामॉल का इस्तेमाल अस्थमा और फेफड़ों के पुराने रोगों में किया जाता है। यह अस्थालिन, अस्थावेंट, वेंटोलिन और वेंटोलिन जैसे कई नामों से बाजार में मौजूद हैं। इससे बनने वाली सालब्यूटामॉल सल्फेट की चार एमजी की 10 गोलियां 1.68 रुपये में मिलतीं थीं। इनकी कीमत अब 1.81 रुपये हो गई है।

स्पाइरोनोलेक्टोन मूत्र लाने वाली दवा है। हृदय रोग की पहली अवस्था और पेट में पानी भर जाने आदि में इसका इस्तेमाल किया जाता है। इसकी 25 एमजी की 10 गोलियां अब 10.42 रुपये की बजाय 11.22 रुपये की मिलेंगी। हे फीवर और छपाकी (अर्टिकेरिया) समेत कई तरह की एलर्जी का उपचार करने में इस्तेमाल की जाने वाली दवा फेनिरामाइन के पांच मिलीलीटर के इंजेक्शन की कीमत 7.66 रुपये थी। यह अब 8.25 रुपये पर जा पहुंची है। बेपलेक्स एल्जिजर के दामों में भी बढ़ोतरी हो गई है।